2nd Term Worksheet [2018 – 19]

Subject – Hindi

Class – VII

Name : **Sec. :**

[Hindi Language]

पाठ – 8

(विशेषण)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **(पृष्ठ सं0 46)**

क. विशेषण किसे कहते है? उसके कितने भेद होते हैं?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ख. विशेषण के भेदों की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

ग. विशेषण और विशेष्य में क्या अंतर है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

घ. विशेषण की कितनी अवस्थाएँ होती है? किसी एक के विषय में विस्तार से लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण को रेखांकित करके उनके भेद लिखो– **(पृष्ठ सं046)**

वाक्य	भेद
क. मार्ग पथरीला है।	....
ख. वह पुस्तक धार्मिक है।	....
ग. मेरी कक्षा में चालीस बच्चे है।	....
घ. दुकानदार के पास थोड़े फल हैं।	....
ङ. लंबा लड़का खेल रहा है।	....

3. कोष्ठक में दिए गए विशेषण शब्दों के उचित रूप से रिक्त स्थान भरो– **(पृष्ठ सं0 46)**

क. मेरी माँ बहुत .... हैं। (दया)

ख. हम भारत देश के .... हैं। (नगर)

ग. यह .... पत्थर है। (चमक)

घ. मैं .... कक्षा में पढ़ती हूँ। (सात)

ङ. बच्चों को .... पुस्तकें पढ़ना चाहिए। (शिक्षा)

4. निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर सामने लिखो– **(पृष्ठ सं0 46)**

क. मेरा भाई बहुत छोटा है। ....

ख. शैलजा अत्यंत सुंदर है। ....

ग. मनीष निरा बुद्धू है। ....

घ. अंजली काफ़ी बड़ी है। ....

ङ. गुलाब एक सुगंधित पुष्प है। ....

5. सही सामने (√) तथा गलत के सामने (×) का चिह्न लगाओ– **(पृष्ठ सं0 46)**

क. 'क्रोध' का विशेषण है – 'क्रोधी' ☐

ख. 'ग्राम' का विशेषण है – 'ग्रामवासी' ☐

ग. 'परिवार' का विशेषण है – 'पारिवारिक' ☐

घ. 'समाज' का विशेषण है – 'सामाजिक' ☐

ङ. 'प्रकाश' का विशेषण है – 'प्रकाशमान' ☐

4. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– **(पृष्ठ सं0 46)**

क. 'कठिनमर' में विशेषण की कौन–सी अवस्था है?

1. मूलावस्था ☐ 2. उत्तरावस्था ☐ 3. उत्तमावस्था ☐

ख. 'लड़ना' का विशेषण होगा–

1. लड़ाकू ☐ 2. लड़क्कड़ ☐ 3. लड़ाकी ☐

ग. 'वह' का विशेषण होगा–

1. उसे ☐ 2. उससे ☐ 3. वैसा ☐

घ. 'विनय अच्छा बालक है।' में कौन–सी अवस्था है–

1. मूलावस्था ☐ 2. उत्तरावस्था ☐ 3. उत्तमावस्था ☐

ङ. 'मनीष दुष्ट व्यक्ति है।' में कौन–सा विशेषण है?

1. गुणवाचक विशेषण ☐ 2. संख्यावाचक विशेषण ☐ 3. संकेतवाचक विशेषण ☐

पाठ –9
(क्रिया)

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–** **(पृष्ठ सं0 46)**

क. क्रिया किसे कहते हैं? उदाहरण देकर समझाओ।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ख. कर्म के आधार पर क्रिया के कितने भेद होते है? सभी की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

ग. धातु एंव नामधातु क्रियाओं में उदाहरण देकर अंतर स्पष्ट करो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

घ. संयुक्त क्रिया की परिभाषा उदाहरण सहित दो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

2. नीचे दिए गए कथनों में सही सामने (√) तथा गलत के सामने (×) का चिह्न लगाओ– (पृष्ठ सं0 51)

क. क्रिया विकारी शब्द है। ☐

ख. क्रिया के मूल रूप को धातु कहते हैं। ☐

ग. पूर्वकालिक क्रिया मुख्य क्रिया के बाद आती है। ☐

घ. अकर्मक क्रिया में कर्म नहीं होता है। ☐

ङ. संयुक्त क्रिया में दो या दो से अधिक क्रिया–पदों का प्रयोग होता है। ☐

3. निम्नलिखित वाक्य क्रिया के किस भेद के उदाहरण हैं? सही विकल्प चुनकर उत्तर दो– (पृष्ठ सं0 51)

क. .... रीता गाती है। (सामान्य क्रिया/संयुक्त क्रिया)

ख. .... महेंद्र धोबी से कपड़े धुलवाता है। (सामान्य क्रिया/प्रेरणार्थक क्रिया)

ग. .... देवेंद्र खाकर सो गया। (पूर्वकालिक क्रिया/संयुक्त क्रिया)

घ. .... राधा खाना खा चुकी है।(सामान्य क्रिया/संयुक्त क्रिया)

ङ. .... नौकर बर्तन माँजता है।(सर्कमक क्रिया/अकर्मक क्रिया)

4. नीचे लिखे वाक्यों में सकर्मक क्रिया और अकर्मक क्रिया बताओ– (पृष्ठ सं0 52)

क. शेखर पत्र लिखता है। ....

ख. पंकज दौड़ रहा है। ....

ग. मैं नौकर को वेतन देता हूँ। ....

घ. वह रोता है। ....

ङ. बच्चे फुटबॉल खेलते हैं। ....

5. **दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– (पृष्ठ सं0 52)**

क. 'हथियाना' शब्द है–

1. संयुक्त क्रिया ☐ 2. नामधातु क्रिया ☐ 3. सकर्मक क्रिया ☐

ख. जिस क्रिया को दूसरें से पूरा करवाया जाता है, उसे कहते हैं–

1. पूर्वकालिक क्रिया ☐ 2. प्रेरणार्थक क्रिया ☐ 3. संयुक्त क्रिया ☐

ग. कर्म के अनुसार क्रिया के भेद होते हैं–

1. दो ☐ 2. तीन ☐ 3. पाँच ☐

घ. मुख्य क्रिया से पहले आने वाली क्रिया को कहते हैं–

1. सामान्य क्रिया ☐ 2. संयुक्त क्रिया ☐ 3. पूर्वकालिक क्रिया ☐

ङ. किसी वाक्य में यदि एक ही क्रिया का प्रयोग किया गया हो ता उसे कहते हैं–

1. संयुक्त क्रिया ☐ 2. सामान्य क्रिया ☐ 3. नामधातु क्रिया ☐

<u>विपरीतार्थक शब्द</u>

आयात	....	आकर्षण	....
आदर	....	आशा	....
इति	....	इष्ट	....
ईश्वर	....	ईमानदार	....
उत्थान	....	उत्कर्ष	....
उच्च	....	उधार	....
उद्धत	....	उर्वरा	....

उत्साह	....	ऊर्ध्व	....
उत्तीर्ण	....	उत्तम	....
उतार	....	एकता	....
ऐश्वर्य	....	ऋणात्मक	....
कुरूप	....	कनिष्ठ	....
कपटी	....	क्रूर	....
कृश	....	खरा	....
खरीद	....	गंभीर	....
गुरु	....	गरल	....
चिर	....	जंगम	....
तरुण	....	तृष्णा	....

पर्यायवाची शब्द

गणेश ....

गुरु ....

गंदा ....

गरीब ....

गर्व ....

घट ....

घर ....

घोड़ा ....

चतुर ....

चंद्रमा ....

चमक ....

छाया ....

जननी ....

जीभ ....

जनक ....

झुंड ....

झूठ ....

झोपड़ी ....

डाकू ....

तरंग ....

थोड़ा ....

दया ....

दक्ष ....

दानव ....

दास ....

दुर्बल ....

द्रौपदी ....

धनुष ....

धरती ....

धाम ....

अनेकार्थी शब्द

गण ....

गाँठ ....

गो ....

गंभीर ....

घात ....

घोर ....

घन ....

चक्र ....

चाप ....

चारा ....

जर ....

जलज ....

टेक ....

ढाल ....

तक्षक ....

तंग ....

द्रोण ....

दारू ....

धर्मराज ....

धवल ....

अपठित गद्यांश

मनुष्य को सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ता है। हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहने से कुछ नहीं मिलता। श्रम हमारे व्यक्तित्व को सँवारता है। श्रम में स्वाभिमान और आत्मविश्वास जैसे गुण आते हैं। सामान्य रूप से श्रम की दो कोटियाँ हैं – पहला शारीरिक श्रम और दूसरा मानसिक श्रम। शारीरिक श्रम से शरीर स्वस्थ रहता है मन प्रसन्न रहता है तथा मानसिक श्रम से मनुष्य जीवन में सफलता प्राप्त करता है।

प्र0 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प चुनो–(पृष्ठ सं0 106)

क. मनुष्य को सफलता किस प्रकार प्राप्त हो सकती है?

1. मानसिक श्रम करने से 2. काम करने से 3. कठिन परिश्रम करने से

ख. 'शारीरिक' शब्द का उचित विग्रह होगा–

1. शरीर + क 2. शारीरि + क 3. शरीर + इक

ग. 'श्रम' से मनुष्य में कौन–से गुण आते हैं?

1. स्वाभिमान 2. आत्मविश्वास

3. स्वाभिमान और आत्मविश्वास दोनों

घ. शारीरिक श्रम से स्वस्थ रहता है–

1. तन 2. तन और मन 3. जीवन

ङ. उपर्युक्तगद्यांश का उचित शीर्षक होगा–

1. श्रम 2. कठिन परिश्रम 3. श्रम का महत्व

अपठित गद्यांश

समय कभी किसी के लिए नहीं ठहरता। इस संसार में सबसे मूल्यवान है– समय। धन को तो परिश्रम करके पुनः कमाया जा सकता है, किंतु बीता हुआ समय पुनः लौटकर नहीं आता। इतिहास गवाह है जिसने समय का सदुपयोग किया, उसे जीवन में सफलता प्राप्त हुई। विद्यार्थी जीवन में समय का और भी अधिक महत्व है। उसके लिए तो समय स्वर्ण से भी अधिक बहुमूल्य होता है। मनोरंजन के नाम पर समय को नष्ट करना स्वयं को धोखा देना है। धन के द्वारा समय नहीं कमाया जा सकता किंतु समय का सदुपयोग करके बहुत–सा धन कमाया जा सकता है।

प्र0 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प चुनो– (पृष्ठ सं0 107)

क. 'विद्यार्थी' शब्द का सही संधि–विच्छेद होगा–

1. वि + द्यार्थी 2. विद्या + अर्थी 3. विद्य + अर्थी

ख. विद्यार्थी के लिए 'स्वर्ण' से भी अधिक कीमती क्या है?

1. उनका जीवन 2. उनका स्वास्थ्य 3. उनका समय

ग. मनोरंजन से क्या नष्ट होता है?

1. स्वास्थ्य 2. समय 3. संपत्ति

घ. संसार में सबसे अधिक महत्वपूर्ण किसे कहा गया?

1. धन को 2. समय को 3. विद्यार्थी को

ङ. 'स्वर्ण' शब्द है–

1. तद्भव 2. तत्सम 3. विदेशज

पाठ – 10
(काल और वाच्य)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (पृष्ठ सं0 56)

क. काल किसे कहते हैं? इसके कितने भेद होते हैं?

उ0 ....
....
....
....
....
....
....
....

ख. काल के सभी भेदों की परिभाषा लिखकर उदाहरण भी दो।

उ0 ....
....
....
....
....
....
....
....
....
....
....

ग. वाच्य किसे कहते हैं? उसके कितने भेद होते हैं? किसी एक की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

घ. भूतकाल के कितने भेद होते हैं? सभी के नाम लिखो।

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

....

2. नीचे दिए गए कथनों में सही सामने (√) तथा गलत के सामने (×) का चिह्न लगाओ– (पृष्ठ सं0 56)

क. सामान्य भूतकाल में कार्य सामान्य रूप से बीते हुए समय में होता है। ☐

ख. संदिग्ध वर्तमान काल में कार्य के वर्तमान समय में होने में संदेह जाता है। ☐

ग. काल के चार भेद होते हैं। ☐

घ. वाच्य के तीन भेद होते हैं। ☐

ङ. जहाँ क्रिया के लिंग, वचन और पुरुष कर्ता के अनुसार हो, उसे कर्मवाच्य कहते हैं। ☐

3. निर्देशानुसार वाक्य बनाओ– (पृष्ठ सं0 56)

क. रवि विद्यालय .... (जाना – आसन्न भूतकाल)

ख. बिल्ली .... (पीना – सामान्य भविष्यत् काल)

ग. नीलम पत्र .... (लिखना – अपूर्ण वर्तमान काल)

घ. वह शायद कल .... (आना – संभाव्य भविष्यत् काल)

ङ. निशा .... (रोना – संदिग्ध भूतकाल)

4. दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प पर सही चिह्न (√) लगाइए– (पृष्ठ सं0 57)

क. 'पक्षी उड़ते हैं' इस वाक्य में वाच्य है–

1. कर्तृवाच्य ☐ 2. कर्मवाच्य ☐ 3. भाववाच्य ☐

ख. 'मैं पत्र लिख रहा हूँ।' इस वाक्य में काल है–

1. सामान्य वर्तमान ☐ 2. अपूर्ण वर्तमान ☐ 3. संदिग्ध वर्तमान ☐

ग. जिसमें कार्य के भूतकाल में पूरा होने में संदेह होता है, उसे कहते हैं–

1. पूर्ण भूतकाल ☐ 2. अपूर्ण भूतकाल ☐ 3. संदिग्ध भूतकाल ☐

वाक्यांश के लिए एक शब्द

1. जो आँखों से संबधिंत हो ....
2. चिंता उत्पन्न करने वाला ....
3. चिरकाल तक जीवित रहने वाला ....
4. सेना के ठहरने का स्थान ....
5. जल में पैदा होने वाला ....
6. जल में विचरने वाला जीव ....
7. वह यान जो जल में चलता हो ....
8. अधिक समय तक जीने की इच्छा ....
9. जिसने इंद्रियों पर विजय पा ली हो ....
10. जिसे जानना आवश्यक हो ....
11. झूठ बोलने वाला ....
12. वह जो बराबर तपस्या करता हो ....
13. जिसे त्याग देना उचित हो ....
14. जिसे दंड दिया जा सकता हो या दंडित किया जाना चाहिए ....

    ....
15. आशा से भी बढ़कर ....
16. यात्रा में रास्ते का खर्च ....
17. उसी काल में होने वाला ....
18. जिसकी मृत्यु निकट हो ....
19. जो फ़िज़ूल खर्च करे ....
20. जो कम खर्च करे ....
21. कम बोलने वाला ....

समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द

1.	आयत	....	2.	उतर	....
	आयात	....		उत्तर	....
3.	आकार	....	4.	कटिबद्ध	....
	आकर	....		कटिबंध	....
5.	कत्था	....	6.	करण	....
	कथा	....		कर्ण	....
7	कर्म	....	8	कलि	....
	क्रम	....		कली	....
9.	किला	....	10.	कोष	....
	कीला	....		कोस	....
11.	क्षति	....	12.	खोआ	....
	क्षिति	....		खोया	....
13.	गण	....	14	ग्रंथ	....
	गण्य	....		ग्रंथि	....

15. चपत ....

चंपत ....

<u>पत्र</u>

उत्तीर्ण होने पर पिता जी को पत्र

पत्र

गाँव की स्वच्छता हेतु प्रार्थना–पत्र

निबंध

जीवन में खेल–कूद का महत्व

अनुच्छेद लेखन

अनेकता में एकता

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

शब्दों के सही रूप

कृप्या	....	कच्छा	....
कार्यकर्म	....	कृत्यकृत्य	....
गरिष्ठ	....	ग्रह	....
गोप्यनीय	....	घनिष्ट	....
जबरजस्त	....	छति	....
तत्व	....	निरापेक्ष	....
नदान	....	निरोग	....
परलौकिक	....	प्रिथक	....
प्रमाणिक	....	वरिश्ठ	....
रुठ	....	लिपी	....
पियास	....	पर्मेश्वर	....
पितावृत	....	बिमार	....
बदाम	....	बुद्धवार	....
भाग्यमान	....	भष्म	....
भैय्या	....	मरयादा	....

मुहावरे

1. आँख मारना – ....
....
....

2. आँख लगना – ....
....
....

3. आँखें नीची होना– ....
....
....

4. आँखें फेर लेना – ....
....
....

5. आँखों का काजल चुराना– ....
....
....

6. आँखों से गिरना– ....
....
....

7. आकाश–पाताल एक करना– ....
....
....

8. आग–बबूला होना– ....
....
....

9. आगा–पीछा करना– ....

....

....

10. आग पर तेल छिड़कना– ....

....

....

11. आधा तीतर आधा बटेर– ....

....

....

12. आव देखा न ताव– ....

....

....

13. आसमान फट पड़ना– ....

....

....

14. उँगलियों पर नाचना – ....

....

....

15. उन्नीस पड़ना– ....

....

....

16. उबल पड़ना – ....

....

....

17. उलटी माता फेरना – ....

....

....

<u>लाकोक्तियाँ</u>

1. कब्र में पाँव लटकाए बैठा है – ....

....

....

2. कल किसने देखा है – ....

....

....

3. काला अक्षर भैंस बराबर– ....

....

....

4. कुत्ता भी दुम हिलाकर बैठता है– ....

....

....

5. कोयले की दलाली में मुँह काला– ....

....

....

6. खोदा पहाड़ निकली चुहिया – ....

....

....

7. गुरु गुड़ ही रहे चेले शक्कर हो गए– ....

....

....

8. गुदड़ी में लाल नहीं छिपता– ....

....

....

9. चिकने घड़े पर पानी नहीं ठहरता– ....

....

....

10. तबेले की बला बंदर के सिर– ....

....

....

निबन्ध लेखन

भ्रष्टाचार

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

<u>कहानी / चित्र लेखन</u>

सच्ची माँ

कहानी / चित्र लेखन

स्वर्ग का फल

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

<u>अपठित पद्यांश</u>

''है शौक यही अरमान यही,
हम कुछ करके दिखलाएँगे,
मरने वाली दुनिया में हम,
अमरों में नाम लिखाएँगे।
जो लोग गरीब भिखारी हैं,
जिन पर न किसी की छाया है,
हम उनको गले लगाएँगे,
हम उनको सुखी बनाएँगे।।
जो लोग अँधेरे घर में हैं,
अपनी ही नहीं नज़र में हैं,
हम उनके कोने–कोने में,
उद्यम का दीप जलाएँगें।।

प्र0 निम्नलिखत पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प चुनो– (पृष्ठ सं0 108–109)

क. उर्पयुक्त काव्यांश का उचित शीर्षक होगा

1. अरमान 2. शौक 3. दुनिया

ख. 'भिखारी' शब्द का तत्सम है–

1. भिक्षा 2. भिक्षुक 3. भिक्षण

ग. 'अँधेरे घर में हैं' से कवि का तात्पर्य है–

1. जिनके घर में प्रकाश नहीं हैं।
2. जिन तक ज्ञान का प्रकाश नहीं पहुँचा है।
3. जो उजाले में नहीं हैं।

घ. 'नज़र' शब्द का अर्थ है–

1. कुदृष्टि 2. निगाह 3. दृश्य

ङ. 'उद्‌यम' का समानार्थी शब्द है–

1. परिश्रमी 2. परिश्रम करने वाला 3. परिश्रम

[Hindi Literature]

पाठ – 8
(राखी की लाज)

1. शब्दार्थ –: **(पृष्ठ सं0 10)**

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
व्याकुल	–	....	न्यौता	–	....
अमंगल	–	....	रस्मोरिवाज़	–	....
अभिवादन	–	....	प्रविष्ट	–	....
क्षीण	–	....	नत–मस्तक	–	....
प्रलेप	–	....	नाकामयाबी	–	....
सौगात	–	....			

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए – **(पृष्ठ सं050)**

नीचे दिए गए गद्‌यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''न जाने क्यों कुछ अमंगल–सा प्रतीत हो रहा है। मेरी दाहिनी आँख फड़क रही है और रात्रि में मैने बुरा सपना भी देखा था। मुझे बहुत चिंता हो रही है।''

क. उपर्युक्तगद्‌यांश का वक्ता कौन है?

उ0 ....

....

ख. वक्ता क्यों चिंतित है?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. राज्य पर किसने आक्रमण कर दिया था?

उ0 ....

....

....

....

घ. दिए गए शब्दों के तत्सम रूप लिखिए– आँख, सपना

उ0 ....

....

प्रत्यास्मरण

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– **(पृष्ठ सं050)**

क. महारानी कर्मवती की व्याकुलता का कारण क्या था?

उ0 ....

....

ख. राखी के धागे को शीतल–प्रलेप क्यों कहा गया है?

उ0

ग. हुमायूँ ने कर्मवती के द्वारा भेजा गया राखी का धागा स्वीकार करते हुए क्या कहा?

उ0

घ. हुमायूँ दुनिया को क्या बता देना चाहता था?

उ0

ङ. हुमायूँ ने अंत में क्या प्रण किया?

उ0

2. **नीचे दी गई पंक्ति का आशय अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए–** **(पृष्ठ सं050)**

''इसलाम हमें यह नहीं सिखाता कि एक इन्सान, दूसरे इन्सान को भूल जाए, उसे मुसीबत में मदद न दे।''

....

....

....

....

....

....

....

....

....

पाठ – 13
(काबुली वाला)

1. **शब्दार्थ –:** **(पृष्ठ सं0 76)**

शब्द		**अर्थ**	**शब्द**		**अर्थ**
विभिन्नता	–	....	शरद ऋतु	–	....
प्रसंग	–	....	उद्विग्न	–	....
अंधविश्वास	–	....	हास्यालाप	–	....
संदिग्ध	–	....	याद्दाश्त	–	....
दुहिता	–	....	समारोह	–	....
संकोच	–	....	उज्जवल	–	....
उपद्रव	–	....			

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. **प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** **(पृष्ठ सं077)**

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''मेरा जवाब सुनकर, वह कुछ उदास–सा हो गया। फिर ''सलाम बाबू साहब!'' कहकर दरवाज़े के बाहर निकल गया। मेरे हृदय में न जाने कैसी एक वेदना–सी उठी। मैं सोच ही रहा था कि उसे बुलाऊँ, इतने में देखा, तो वह खुद चला आ रहा था।''

क. मिनी के बाबू जी का कौन–सा जवाब सुनकर रहमत उदास हो गया था?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. मिनी के बाबू जी हृदय में वेदना क्यों उठी?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ग. रहमत फिर वापस क्यों आने लगा?

उ0 ....

....

....

....

....

....

घ. रहमत किससे मिलने के लिए गया था?

उ0 ....

....

....

....

....

....

प्रत्यास्मरण

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **(पृष्ठ सं077)**

क. काबुलीवाला कौन था? वह अपना देश छोड़कर दूसरे देश में क्यों आयाा था?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ख. मिनी के हाथ में अठन्नी कहाँ से आई?

उ0 ....

....

....

....

....

ग. काबुलीवाले ने मिनी के ह्रदय पर किस प्रकार अधिकार जमा लिया था?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

घ. लेखक के मिनी के विवाह की बात न कहकर काबुलीवाले से यह क्यों कहा कि घर में ज़रूरी काम है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

ङ. किस बात से लेखक का हृदय द्रवित हो गया और काबुलीवाला उसे एक पिता नज़र आया?

उ0 ....

....

....

....

....

....

....

....

2. नीचे दी गई पंक्ति का आशय अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए— **(पृष्ठ सं077)**

''मेरी आँखें भर आईं और फिर इस बात को मैं बिल्कुल ही भूल गया कि वह एक काबुली मेवावाला है और में एक उच्च वंश का रईस हूँ।''

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

3. किसने—किससे, क्यों कहा? **(पृष्ठ सं077)**

		किसने	किससे
क.	तूने यह अठन्नी पाई कहाँ से?	....	....
ख.	पर क्या करूँ, हाथ बँधे हुए हैं?	....	....
ग.	मैं तो यहाँ सौदा बेचने नहीं आता।	....	....

क्यों?

क. ....

ख ....

ग. ....

पाठ – 14
(नीति वचन)

1. **शब्दार्थ –:** (पृष्ठ सं0 81)

शब्द		अर्थ	शब्द		अर्थ
उपजत	–	....	सराहिय	–	....
वसीकरण	–	....	बेगिहीं	–	....
सुमति	–	....	मराली	–	....
सरिस	–	....	वक	–	....

विषय–वस्तु का ज्ञान

1. **प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** (पृष्ठ सं0 81)

नीचे दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

''तुलसी इह संसार में, भाँति–भाँति के लोग।
सबसों हिल–मिल चाहिए, नदी–नाव संजोग।।''

क. तुलसीदास जी के अनुसार इस संसार में किस–किस प्रकार के व्यक्ति रहते हैं?

उ0 ....

....

....

....

ख. सबसे मेल–मिलाप से क्यों चलना चाहिए?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ग. शुद्ध रूप लिखिए– इह, सबसों, चालिए

उ0 ....

....

....

....

....

प्रत्यास्मरण

1. **नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (पृष्ठ सं0 81)

क. वशीकरण मंत्र से क्या संभव है?

उ0 ....

....

....

....

....

....

ख. कुमति और सुमति व्यक्ति के जीवन को कैसे प्रभावित करती हैं?

उ0 ....

ग. आलसी व्यक्ति देव–देव क्यों पुकारते हैं?

उ0 ....

घ. सबसे बड़ा धर्म कौन–सा ह?

उ0 ....

ङ. सचिव, वैद्य और गुरु यदि भय से प्रिय वाक्य बोलने लगें, तब क्या होता है?

उ0 ....

2. **निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए–** **(पृष्ठ सं0 81)**

क. ''परहित सरिस धर्म नंहि भाई।
पर पीड़ा सम नहिं अधमाई।''

....